Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अनुवाद और रोजगार के अवसर

Mrs.Mohite Vaishali Rajendra

Assistant Professor,Hindi Department

Arts & Commerce College,Kadepur

शोध सार

संसार का समग्र ज्ञान विज्ञान किसी एक ही भाषा में समाहित नहीं मिलता। इन विविध भाषाओं का ज्ञानार्जन मानव अपनी जीवन की अपनी सीमाओं के कारण आजीवन संभव नहीं होता किंतु हर भाषा के ज्ञान विज्ञान से अविष्कार से लाभान्वित होना जरूर चाहता है।इसी कारण अनुवाद में रोजगार के अवसर अनगिनत उपलब्ध हो जाते हैं।

बीज शब्द-

अनुवाद, रोजगार,अवसर, अनुवादक,संप्रेषण

अनुवादकोअंग्रेजी में ट्रांसलेशन कहते हैं। किसी भाषाकेअभिव्यक्त विचारों को दूसरी भाषा में यथावत प्रस्तुत करना अनुवाद है। जिस भाषा से अनुवाद किया जाता है ,वह मूल भाषा या स्रोत भाषा होती है और जिस नई भाषा में अनुवाद करना है , वह लक्ष्य भाषा होती है।अनुवाद एक कला के साथ विज्ञान भी है।इसमें निरंतर अभ्यास , अनुशीलन तथा अध्ययन के साथ कार्य कुशलता की पहचान होती है। अनुवाद दो भाषाओं के बीच होता है , इसलिए दोनों भाषाओं के स्वरूप, प्रकृति आदि के अध्ययन यथावत प्रस्तुत किया जाता है।

अनुवाद का स्वरूप

अनुवाद द्वारा भाव और विचारों का संप्रेषण होता है।अर्थ का संप्रेषण ,कथ्य का संप्रेषण,सामाजिक -सांस्कृतिक संदर्भ का संप्रेषण , शैली का संप्रेषण ,पाठ्य सामग्री का यथावत

संप्रेषण, अर्थ एवं शैली का संबंध तथा संप्रेषणनिष्ठा के साथ करने पर ही सफल अनुवाद हो सकता है|

अनुवाद प्रक्रिया-

चयन,पठन,विश्लेषण,भाषांतरण, पूर्निरीक्षण, मिलान,संशोधित भाषांतरण,निष्कर्ष आदि द्वारा अनुवाद किया जाता है।इस तरह विभिन्न प्रक्रिया द्वारा सार्थक अनुवाद प्रस्तुत होता है।

अनुवाद के तत्व

भाव, अर्थगत सहजता, संरचना,कला, शैली,संदर्भ सापेक्षता,कला पक्ष की निकटता ,भाषा की निकटता, समतुल्यता, अर्थ की समतुल्यता ,समूलता, स्पष्टता, यथावतता,निष्कर्ष आदि द्वारा अनुवाद परखते है।

अनुवाद के विभिन्न साधन

संबंधित सामग्री ,विशेषज्ञ के साक्षात्कार , विद्वानों से परामर्श ,मूल रचनाकार से विचार विनिमय, संदर्भ ग्रंथ , समीक्षा ग्रंथ , अनुवाद पत्र पत्रिकाएं ,अनुवाद प्रशिक्षण कार्यशालाएं , यांत्रिक साधन आदि द्वारा सही रूप देने का प्रयास किया जाता है|

अनुवाद के प्रयोजन

भाषिक, साहित्यिक,व्यक्तिगत, सामाजिक, सांस्कृतिक,राष्ट्रीय, आंतरराष्ट्रीय और वैश्विक प्रयोजन आदि अलग -अलग होते हैं। विभिन्न भाषिक - विभिन्न देशों में संबंध बनाने का कार्य अनुवाद करता है।

अनुवाद के मूल में उन्नति

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

व्यक्तिगत,सामाजिक,आंतरराष्ट्रीय, वैश्विक आदि उन्नतियां अनुवाद के कारण ही बनी हुई है। इसके साथ भौतिक, मानसिक, भावात्मक,सामाजिक,सांस्कृतिक,संस्कृती की उन्नति के मूल में भी अनुवाद है।

अनुवादक

अनुवाद में अनुवादक का महत्वपूर्ण स्थान होता है।अनुवादक को भाषा पर प्रभुत्व होना चाहिए।बहुज्ञता,विवेकशीलता के साथ सतर्कता का गुण उसमें होना चाहिए। संदेह निवारण कर्ता के रूप में अनुवादक का कार्य अनिवार्य है। अनुवादक संस्कृति और समाज के ज्ञान से मंडित होना चाहिए।ज्ञान, विज्ञान और मनोविज्ञान का परिचय तथा श्रद्धा एवं निष्ठा की कड़ी साधना करने वाला अनुवादक ही सफल अनुवादक बन सकता है।अनुवादक के पास तटस्थता , निष्पक्षता तथा वस्तुनिष्ठ प्रशिक्षण लेकर एक परिपूर्ण अनुवादक बनने की प्रक्रिया पार करता है। तब वह सफल अनुवादक बनता है।

रोजगार के अवसर और अनुवाद -

अनुवाद से बेरोजगारव्यक्तियों के लिए ऐसा कामयाब व्यवसाय खोजने का मौका है ,जो उन्हें नियमित आय प्रदान करता है।रोजगार एक ऐसी गतिविधि है , जो व्यक्तियों को अपने कौशल्य और क्षमताओं का उपयोग करके पैसा कमाने की अनुमति देता है |अनुवाद रोजगार उपलब्ध कर सकता है क्योंकि इसकी उपयोगिता -महत्व अनूपम है।अनुवाद अनेक भाषाओं में संपर्क का माध्यम है | दूसरी भाषा के साहित्य से परिचय , अन्य समाज की सभ्यता एवं संस्कृति का परिचय,दूसरे राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति से पहचान होती है। संप्रेषण का माध्यम अनुवाद हैं।आंतरराष्ट्रीय भातृभाव बनाने में,ज्ञान -विज्ञान का अर्जन करने का साधन अनुवाद है। अनुवाद द्वारा विभिन्न प्रकार के विचारों में भाषा और साहित्य में भी समृद्धता बढ़ जाती हैं।अनुवाद से ही विभिन्न संस्कृति , विभिन्न भाषा, विभिन्न समाज आदि का तुलनात्मक अध्ययन कर सकते

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

हैं। विभिन्न भाषा के कारण विज्ञापन का प्रसार का माध्यम अनुवाद बना है।मानव जाति के उन्नति का प्रशस्त मार्ग ,नौकरी पाने का बहुत बड़ा स्रोत है ,व्यापार वृद्धि के साथ स्वतंत्र व्यवसाय के रूप में भी अनुवाद का उपयोग किया जा रहा है। अनुवाद द्वारा व्यक्तिगत प्रतिभा का परिचय हो जाता है तथा वह अनुवादक के रूप में सफल बनता है। देश की साहित्य की संकल्पना का स्पष्टीकरण अनुवादक करता है। विभिन्न प्रकार के आदान -प्रदान में अनुवाद का स्थान महत्व पूर्ण है। प्राचीन काल से ही अनुवाद मानव जाति के कल्याण में सहयोग दे रहा है। वह मनुष्य की दूरियां भी मिटा रहा है। वसुधैवकुटुंबकम की भावना को बढ़ावा , मानव धर्म प्रसार तथा आंतरराष्ट्रीय सद्भावना का दृढीकरण अनुवाद द्वारा हो रहा है|

अनुवाद उद्योग का उदय एवं रोजगार के अवसर-सेवाएं

1.लिखित सामग्री और कागज आधारित दस्तावेजों का अनुवाद

2.व्याख्यासेवाएं और सांकेतिक भाषा सेवाएं

3.डिजिटल दस्तावेजीकरण अनुवाद

4.सॉफ्टवेयर अनुवाद और वेबसाइट अनुवाद

अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार के अपार संभावनाएं

1.सरकारी अवसर

केंद्र तथा राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालय में अनुवादक के पद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राज्यसभा, लोकसभा, सांसद आदि के सचिवालय में अनुवादक की **जरूर** बनी है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जूनियर ट्रांसलेटर और सीनियर्स ट्रांसलेटर के माध्यम से भारत के विभिन्न भाषाओं में जो साहित्य है उसका अनुवाद पूरी मात्रा में हो रहा है।इससे राष्ट्रीय एकता बनाने में सहायक हो रहा है। साथ साथविभिन्न भाषाओं का साहित्य पूरी दुनिया में फैला रहा है, प्रसिद्ध हो रहा है।

2.प्रिंटमीडिया-

संवाददाताओं से लेकर संपादक तक सभी को किसी न किसी स्तर पर अनुवाद करना पड़ता है।सफल पत्रकारिता में अनुवाद में दक्ष होना आवश्यक होता है। समाचार तथा समाचार पत्र पत्रिकाओं में अनुवाद के बिना काम चल ही नहीं सकता। इसी कारण प्रिंट मीडिया और अनुवाद में गहरा अंतर संबंध है।इसमें भी रोजगार के अवसर अनंत दिखाई देते है।

3.जनसंचार और मीडिया – जनसंचार और मीडिया में अनुवाद की अहम भूमिका रही है ,जो कि एक रचनात्मक गतिविधि के रूप में संबंधित भाषा में उत्पाद या समाचार को बढ़ावा देने के लिएप्रेरित करती है। अनुवादक कार्यकर्ता है , जो भाषा, दर्शन एवं अन्य पहलुओं का गहन अध्ययन अनुवादद्वारा करता है। अनुवाद द्वारा भाषा में ज्ञान -संस्कृति आदि का संवर्धन, संवहन होता है।भाषा मानव जीवन से संबंधित है अर्थात समाज के संचार व्यवस्था से भी संबंधित है। जिससे अर्थांजन के साथ प्रतिष्ठा का जीवन भी मिलता है।

4.पर्यटन औरअनुवाद- यात्रा उद्योग में अनुवाद का पूरा उपयोग किया जाता है।सीमाओं के पर बातचीत से लेकर रेस्तरां मेनू का अनुवाद करने तक अनुवाद उपयोगी सिद्ध हुआ है।यह समावेशित और वैश्विक समुदाय को बढ़ावा देता है। भाषा किसी पर्यटक की छुट्टियों की योजना को प्रभावित कर सकती हैं, यदि वह विदेशी हो।

5.फिल्म क्षेत्र - में शीर्षक,उपशीर्षक,संवाद, गीत आदि का अनुवाद किया जाता है। ताकि दर्शक एक ही समय में अनुवाद पढ़े और मूल अनुवाद को सुन सके। ऐसे अवसर पर पढ़े लिखे युवा रोजगार अवसर तलाशते हैं। फिल्म में अभिव्यक्ति प्रत्यक्ष और रचनात्मक रूप में होती है ,तो प्रतिभावान व्यक्ति ही अनुवादक की भूमिका निभाता है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

6.समाचार क्षेत्र

अनुवादक को समाचार क्षेत्र में तेज रफ्तार से काम करना पड़ता है। समय सीमा का ध्यान रखना जरूरी होता है ,वह भी विश्वसनीयता के साथ। इसीलिए कुशल लोगों की आवश्यकता इस क्षेत्र में महसूस हो रही है। स्थानीय समाचार पत्रों के साथ आंतरराष्ट्रीय समाचार भी सभी के लिए सुलभ हो जाते हैं। इस क्षेत्र में सोचना ,बोलना,सुनना, देखना, पढ़ना,लिखना,परस्पर व्यवहार, विचार विमर्श, संभाषण,वादविवादसब आता है।जिससे कौशल निर्माण द्वारा व्यक्ति सफल बन पाता है।

7.शिक्षा क्षेत्र और अनुवाद

इस क्षेत्र में अनुवाद व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों ही स्तरों पर चलता है। विद्वान अपनी पुस्तकों को अनुवाद की व्यवस्था करते हैं। दूसरी और प्रशासन संस्थान और ग्रंथ निर्माण अकादमी,निदेशालय, विश्वविद्यालय,संस्थाएं, शैक्षणिक परिषद आदि अनुवाद की व्यवस्था करते हैं।इस क्षेत्र में प्रतिभावान अनुवादक अनिवार्य रूप में कार्यरत रहते हैं।

अध्ययन एवं प्रशिक्षण सामग्री का अनुवाद किया जाता है।विभिन्न भाषा साहित्य में अनुवाद का योगदान होने से संस्कृति पर महत्वपूर्ण प्रभाव दिखाई देता है।

विदेशी भाषाओं में ई लर्निंग ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति द्वारा मूल भाषा पर जोर दिया जाता है ,फिर भी विभिन्न भाषाओं का अध्ययन अध्यापन आदि उल्लेखनीय लाभों के कारण शिक्षा क्षेत्र में अनुवाद सेवाओं की मांग लगातार बढ़ती जा रही है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886| UGC CARE II
Vol. 19 Issue 04, April- 2024
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

8.वाणिज्यिक क्षेत्र

व्यापार,व्यवसाय, आयात, निर्यात, बैंकिंग जैसी कई गतिविधियों की भाषा विशिष्ट होती है।तो उनका अनुवाद करने में प्रशिक्षित एवं विद्वान अनुवादक चाहिए। वाणिज्य में लेनदेन का सिलसिला अनेक स्तरों पर चलता रहता है।इसलिए दिन में रसीदे , विभिन्न फॉर्म,अनुबंध पत्र आदि का इस्तेमाल होता है।इन कागजादों की अपनी विशिष्ट शब्दावली होती है। फिर इन्हीं कागजादों का अनेक भाषा क्षेत्र में इस्तेमाल होता है। तो उनके लिए अनुवाद की जरूरत अनिवार्य रही है।

9.क्रीडा क्षेत्र

विश्व की किसी भी देश में खेले गए खेलों की जानकारी , खिलाड़ी तथा उनका कार्य आदि को दुनिया भर फैलाने का काम समाचार , क्रीडा समालोचक,खेल कॉमेंटेटर,विभिन्न चैनल द्वारा किया जाता है। तो विभिन्न देशों की भाषाओं में उसका अनुवाद होता है। संगीत तथा क्रीडा प्रकारों को अब आंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत मांग है। इसी कारण इसकी मांग दिनों दिन बढ़ती जा रही है और इसमें रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

10.विज्ञापन क्षेत्र

विज्ञापनों के क्षेत्र में अनुवाद की आवश्यकता स्थिति और युक्तियां समझने के लिए अनुवाद आवश्यक है।विज्ञापनों का अनुवाद दृश्य , श्रव्य तत्वों की पूरी प्रक्रिया है। ताकि आपका संदेश आपके लक्षित दर्शकों तक सफलतापूर्वक पहुंच सके।आज का युग वाणिज्य ,व्यापार का युग है।उत्पादक अपने उत्पाद को उपभोक्ता तक पहुंचाने के लिए प्रचार माध्यमों का सहारा लेता है,जिससे ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। इसी कारण विभिन्न भाषाओं में अनुवादक की आवश्यकता बढ रही है।

11. साहित्यिक क्षेत्र -

आज हजारों लोग स्वतंत्र रूप से अनुवाद कार्य करते हुए अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। विभिन्न भाषा के साहित्य के बीच की दूरी दूर कर रसास्वादन का मार्ग सुगम बन गया है। प्रति पृष्ठ **150**

से **300** रुपए तक का भुगतान मिलता है। इसमें प्रतिष्ठा के साथ अर्थार्जन हो रहा है। बेरोजगारी से उभरने के लिए अनुवाद कार्य द्वारा आजीविका का लाभ लोग ले रहे हैं। उदा - पाश्चात्य साहित्य का हिंदी में अनुवाद।

- निष्कर्ष -

व्यापार में सफलता प्राप्त होने ,अपनी निजी जीवन में सीमित आय में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करने तथा साधन सुविधाओं को पाकर , समृद्ध जीवन जीने के लिए इन दिनों में वाणिज्य बैंक तथा विज्ञापन का स्थान हमारे लिए महत्वपूर्णसहायता मिल रही है |किंतु दुनिया के सारे देशों की भाषा एक न होने के कारण उनकी सामग्री को व्यापक धरातल पर प्रदान करने के लिए अनुवाद के अलावा दूसरा आसान साधन नहीं है। अनुवाद विज्ञान एक नितांत नवीनविधा तो नहीं है किंतु आज के समय में इसकी आवश्यकता, अनिवार्यता की सीमा तक बढ़ती जा रही है|

- संदर्भ :

1.राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं,**1988**

2. अनुवाद समस्या एवं समाधान,अर्जुन चव्हाण,अमन प्रकाशन, कोल्हापुर **1999**

3.अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, डॉ.हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, **1994**

4.अनुवाद चिंतन,डॉ. अर्जुन चौहान, अमन प्रकाशन, कानपुर **1998**

5.अनुवाद स्वरूप एवं सिद्धांत,डॉ. के. पी .शहा.फडके प्रकाशन, कोल्हापुर **2008**

6..पत्रिकाएं-

1.अनुवाद, हिंदी -अंग्रेजी त्रैमासिक पत्रिका भारतीय अनुवाद परिषद,नई दिल्ली।

2.गवेषणा,केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

3.भाषा,केंद्रीय हिंदी निदेशालय, रामकृष्णापुरम,नई दिल्ली।